वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 214 | शनिवार 2 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा ने राज्यपाल और संघ नेताओं से मुलाकात की

गहलोत कांग्रेस उम्मीदवारों से मिले, चुनावी नतीजों से पहले सियासी हलचल

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले कांग्रेस और बीजेपी में सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं। सियासी बैठकों और मुलाकातों का दौर शुरू हो गया है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर चर्चा की। गुरुवार (30 नवंबर) को सीएम अशोक गहलोत ने भी राज्यपाल से मुलाकात की थी। शुक्रवार को वसुंधरा राजे और गुरुवार को गहलोत की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग के सियासी मायने हैं, इसलिए चर्चा ज्यादा है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने जयपुर में भारती भवन में आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी मुलाकात की है। चुनावी नतीजों से पहले आरएसएस पदाधिकारियों की मुलाकात को अहम माना जा रहा है। वसुंधरा राजे की नतीजों से पहले की इस सक्रियता के मायने निकाले जा रहे हैं। बीजेपी ने इस बार सीएम चेहरा घोषित किए बिना चुनाव लड़ा था।

गहलोत दो दिन से एक्टिव, दिनभर उम्मीदवारों और नेताओं से मिले

सीएम अशोक गहलोत पिछले दो दिन से लगातार एक्टिव हैं। एग्जिट पोल के रुझान आने के बाद से लगातार गहलोत से मिलने कई उम्मीदवार पहुंच रहे हैं। आज भी सीएम से कांग्रेस उम्मीदवारों ने मुलाकात कर अपनी-अपनी सीट के बारे में फीडबैक दिया है। गहलोत से मिलने वाले उम्मीदवारों ने जीत का दावा किया है।

बागियों, निर्दलीयों और अन्य दलों के उम्मीदवारों से संपर्क साधा

गहलोत ने मजबूत मानें जाने वाले बागी उम्मीदवारों, निर्दलीयों और अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों से भी संपर्क साधा है। गहलोत ने बागियों के अलावा सीपीएम, बीएपी और आरएलपी के मजबूत उम्मीदवारों से भी संपर्क कर पहले से ही समर्थन मांग लिया है।

वसुंधरा का पुराना वीडियो शेयर कर निर्दलीय को बधाई का दावा

चुनाव नतीजों से पहले कई तरह की अफवाह भी चल रही है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का सालभर पुराना एक वीडियो गलत दावे के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। इस वीडियो को शिव से बीजेपी के बागी निर्दलीय रवींद्र सिंह भाटी को जीत की बधाई देने के दावे के साथ शेयर किया जा रहा है। वसुंधरा के ऑफिस ने बयान जारी कर कहा कि साल भर पुराना वीडियो आज का बताकर शेयर किया जा रहा है, वह वीडियो ओलिंपियन नीरज चोपड़ा को बधाई देने का है।

वायुसेना विद्यालय के एनुअल फंक्शन में स्टूडेंट्स ने दिखाया टैलेंट

राज्यपाल कलराज मिश्र बोले- राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा जरूरी

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा सभी स्तरों पर जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान सांस्कृतिक सरोकार रखते हुए मानव मूल्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर अपने यहां शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने देश में स्थापित वायुसेना विद्यालयों की स्थापना के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़ी शिक्षा को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जाए। मिश्र शुक्रवार को झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में वायु सेना विद्यालय के 41 वें वार्षिकोत्सव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश पर जब भी दुश्मन सेनाओं ने आक्रमण किया है, वायुसेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने

एयरफोर्स स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को वायुसेना की गौरवमयी परम्परा की संस्कृति से जुड़ने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ते हुए ज्ञान की भारतीय परम्परा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह स्कूल प्रारंभ हुए तब इन्हें एयर फोर्स सेंट्रल स्कूल के नाम से जाना जाता था। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे मकसद यह था कि भारतीय वायु सेना में कार्य करने वाले कार्मिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके, लेकिन यह सुखद है कि सेना के साथ इनमें आम नागरिकों के लिए भी शिक्षण की व्यवस्था है। मिश्र ने संविधान की भारतीय संस्कृति के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक अधिकारों के साथ हमें कर्तव्य पालन के लिए भी सदा सजग रहना चाहिए। मिश्र ने अनुशासन, अच्छी प्रबंध व्यवस्था, समय की मांग के अनुसार शिक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए जयपुर स्थित वायु सेना स्कूल की सराहना भी की। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराते हुए मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। उन्होंने प्रतिभावान विद्यार्थियों को इस अवसर पर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज, विद्यालय प्राचार्या सीमा भाटी ने आयोजन के बारे में जानकारी दी।

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय, ब्यावर में विजयी छात्राओं का अभिनन्दन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर द्वारा 36वीं महिला वर्ग के लिए दयानंद महाविद्यालय अजमेर में आयोजित अंतर महाविद्यालयी महिला कुश्ती प्रतिर्स्पद्धाओं में खेल संयोजक श्री अनूप आर्य एवं शारीरिक प्रशिक्षिका रिंकू माली के नेतृत्व में श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी .महाविद्यालय की छात्राओं ने अपना दमखम दिखाते हुए 53 किलोभार वर्ग में वंशिका शर्मा ने कांस्य पदक, 55 किलोभार वर्ग में ललिता बाला ने कांस्य पदक, 57 किलोभार वर्ग में नीतू सैनी ने रजत पदक, 59 किलोभार वर्ग में दिव्या शर्मा ने रजत पदक, 62 किलोभार वर्ग में सुमन भाटी ने स्वर्ण पदक, 72 किलोभार वर्ग में चम्पा रावत ने रजत पदक, 76 किलोभार वर्ग में दिलशा बानू ने रजत पदक प्राप्त कर महाविद्यालय एवं नगर का गौरव बढ़ाया। इसी के साथ एथलेटिक्स प्रतियोगिता भीलवाड़ा में आयोजित की गई जिसमें मोनिका प्रजापति ने 400 मीटर रेस में गोल्ड मेडल, 200 मीटर रेस में सिल्वर मेडल तथा डिस्कस थ्रो में चेष्टा वर्मा ने कांस्य पदक प्राप्त कर महाविद्यालय एवं ब्यावर जिले को गौरवान्वित किया। विजयी छात्राओं के महाविद्यालय पहुंचने पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ महाविद्यालय परिवार द्वारा छात्राओं का माल्यार्पण व साफा पहनाकर स्वागत किया गया ।स्वागत कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा एवं खेल संयोजक श्री अनूप आर्य ने छात्राओं को बधाई प्रेषित की । प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने बताया कि छात्राओ के संपूर्ण विकास में पढ़ाई के साथ-साथ खेलो का विशेष महत्व है। पढ़ाई से मानसिक व खेलो से शारीरिक विकास होता है और महाविद्यालय छात्राओं के संपूर्ण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। समिति मंत्री डॉ. डॉ. नरेन्द्र पारख ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि छात्राएँ भविष्य में भी इसी प्रकार महाविद्यालय को देश-प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित करती रहेंगी। अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने इस अवसर पर एक नई परम्परा की शुरूआत करते हुए प्रथम बार छात्राओं को साफा पहनाकर स्वागत किया और कहा कि पगड़ी राजस्थान एवं देश के गौरव का प्रतीक है तथा छात्राओं को बेहतरीन प्रदर्शन हेतु बधाई देते हुए छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। **-डॉ. आर. सी. लोढ़ा**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

63, महावीर ट्रस्ट, रीगल चौराहा कीर्ति स्तम्भ, इन्दौर (म.प्र.)

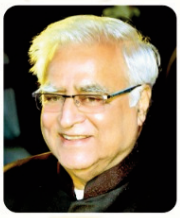

आप अपने उच्च / सामान्य शिक्षित, प्रोफेशनल / व्यवसायरत, सरकारी निजी सेवारत पुत्र/पुत्री हेतु योग्य जीवन साथी चाहते हैं ....

तो आइये... और इस सम्मेलन से जुड़ें जहाँ आपको अंतर्राष्ट्रीय जैन समाज की सभी विश्वसनीय संस्था, ग्रुपों से जुड़े परिवारों द्वारा प्राप्त बायोडाटा के विशाल संग्रह से चयन का मौका प्राप्त होगा।

मुख्य प्रायोजक R K GROUP | प्रायोजक ARL Infratech Ltd. | **समाज की बेटी समाज में** | प्रायोजक KASLIWAL HONDA INDORE (MP)

दिनांक रविवार 24 दिसम्बर 2023

– स्थान – इन्दौर

विशाल अन्तर्राष्ट्रीय जैन युवक–युवती परिचय सम्मेलन 2023

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 800/- रुपये

ऑफ लाइन फॉर्म मंदिर जी में उपलब्ध हैं।

फॉर्म जमा कराने की अंतिम संशोधित तिथि दिनांक 15 दिसम्बर 2023

रजिस्ट्रेशन शुल्क में 1/4 पेज का फोटो सहित परिचय प्रकाशन, पुस्तिका की प्रति, अयोजन स्थल पर भोजन शामिल हैं।

युवक–युवती के फोटों युक्त पूर्ण परिचय एवं बहुआयामी जानकारियों सहित आकर्षक बहुरंगीय परिचय पुष्प पुस्तिका का प्रकाशन

MARKETING BY: Digital India

All Details & Online Submission www.djsgfint.com

क्षेत्रीय प्रभारी–राजस्थान रीजन जयपुर

राजेश बड़जात्या रीजन अध्यक्ष | अनिल कुमार जैन IPS रीजन संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष | सुरेन्द्र कुमार पांडया रीजन परामर्शक | नवीन सेन जैन रीजन परामर्शक एवं प्रभारी | अतुल बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष | पारस कुमार जैन रीजन कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी रीजन महासचिव

मुख्य तकनीकी संयोजक – मनीष सोगानी, तकनीकी संयोजक – अतुल छाबड़ा, सुरेंद्र कुमार जैन, रमेश छाबड़ा, शासकीय सलाहकार – भारत भूषण अजमेरा, प्रचार प्रसार प्रतिनिधि– मनीष बेद, राकेश गोदिका, विनोद जैन कोटखावदा, बसंत जैन, स्मारिका संयोजक– सुरेश जैन बांदीकुई, सुनील बज, डॉ राजेंद्र कुमार जैन, सुरेश लुहाडिया, डॉ मोहन लाल जैन मणि, अनिल टॉंगया, आलोक पाटोदी, श्रीमती वंदा सेठी, डॉ इन्दर प्रकाश जैन, रीजन समन्वयक – मोहन लाल गंगवाल, श्रीमती शकुंतला बिंदायक्या, राजेश चौधरी, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, भाग चंद जैन मित्रपूरावाले, श्रीमती सुशीला बड़जात्या, एडवोकेट ममता शाह, क्षेत्रीय संयोजक– विनय सोगानी, कैलाश बिंदायक्या, प्रमिला शाह, सुनील बड़जात्या, प्रमोद सोनी, महावीर बोहरा, अनिल पाटनी, महेंद्र छाबड़ा, गिरीश जैन, विमल कोठारी, ममता गंगवाल, सुनीता जैन, विजय जैन, पंकज जैन, अजीत बड़जात्या, अनिल संघी, अशोक पाटनी, प्रदीप छाबड़ा, राकेश जैन, सुरेश गंगवाल नरेंद्र जैन (गंगापुर सिटी), राजेन्द्र खेरवाल (दोसा), महावीर प्रसाद जैन परणा वाले (निवाई), Adv. सुरेंद्र मोहन जैन (मालपुरा), महेंद्र कुमार जैन (टोंक), गजेंद्र ढोलिया (सीकर), वन्देश जैन (श्री महावीर जी), अरविंद जैन (सवाई माधोपुर),

निवेदक: शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा प्रदीप जी कासलीवाल | राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका | निवृत्तमान अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल | राष्ट्रीय महासचिव विपुल बाँझल | राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला

मुख्य सूत्रधार : यशकमल अजमेरा–जयपुर, सूत्रधार : जे.के. जैन–कोटा, ममता जैन–रायपुर

मुख्य संयोजक : प्रदीप गंगवाल, संजय पापड़ीवाल–इन्दौर राजीव गिरधरवाल–भोपाल, प्रशान्त जैन–जबलपुर प्रधान सम्पादक (स्मारिका) : कीर्ति पाण्ड्या – 9425053439, तकनीकी संयोजक - मनीष सोगानी (जयपुर)

फॉर्म भरने के पश्चात संपर्क करें - 9829067076 - 9785074581 - 9829844533 - 9828866677 -9829220552 - 9413332526

जैन सौशल ग्रुप महानगर का 64 सदस्य दल वियतनाम भ्रमण से लौटा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सौशल ग्रुप महानगर का 64 सदस्य दल विदेश भ्रमण (वियतनाम यात्रा) दिनांक 21 से 28 नवम्बर के बीच सम्पूर्ण कर दिनांक 29 नवंबर को वापस जयपुर लौटा। महानगर ग्रुप के अध्यक्ष संजय छाबड़ा ने बताया कि इस विदेश यात्रा का मुख्य उद्देश्य जैन समाज का सिद्धांत जियो एवं जीने दो एवं शाकाहार का प्रचार प्रसार करना रहा। इस यात्रा में हलोंग बे, हनोई एवं दनांग शहर का भरपूर आनन्द लिया। इससे पूर्व महानगर ग्रुप की तीन सफल विदेश यात्रा (बैंकाक पटाया, सिंगापुर मलेशिया एवं दुबई) हो चुकी हैं। इस यात्रा को रैमिटैक्ष ट्रैवल कम्पनी के माध्यम से सेल्स मैनेजर ईश्वर दास द्वारा बहुत ही सुंदर तरीके से सभी सुविधाओं के साथ भारतीय जैन फूड को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था जिससे सभी सदस्यों को पूरी यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की कमी महसूस नहीं हुई। इस यात्रा के सयोजक विरेंद्र जैन एवं दिपेश छाबड़ा (पूर्व अध्यक्ष)) रहे, साथ ही इस यात्रा में महानगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश जैन भी अन्य सदस्यों के साथ सम्मिलित हुए।

विमर्श जागृति महिला मंच के निर्वाचन सम्पन्न

प्रीति मोहरी पुनः अध्यक्ष चुनी गई

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

आज वर्धमान धर्मशाला में विमर्श जागृति महिला मंच की वार्षिक निर्वाचन मीटिंग आयोजित हुई। सब सदस्याओं ने संस्था की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्ष प्रीति मोहरी ने बताया कि अवसर पर सत्र 2023-24 के निर्वाचन भी सम्पन्न हुए जिसमें श्रीमती प्रीति मोहरी को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। सभी ने गुरुवार को आशीर्वाद लेने टीकमगढ़ जाने का निश्चय किया। कार्यक्रम में विमर्श जागृति महिला मंच की राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृति भारत, पूर्व अध्यक्ष वैशाली बाँझल एवं पूजा देरखा, शाखा मंत्री मीना महिदपुर, सदस्याएं अर्चना भारत, संगीता भारत, मधुलिका अरिहंत,मनीषा जैन,सुनीता बाँझल, रेखा महाना,रूबी जैन, समता जैन, श्वेता जैन,विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची बीड़ी, शाखा अध्यक्ष अनूप बाबू, पूर्व मंत्री प्रमोद मोहरी, चंद्रेश बताशा विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन स्मृति भारत ने किया आभार मंत्री मीना महिदपुर ने व्यक्त किया।

क्षुल्लक श्री विगुण सागर जी महाराज ने कहा...

प्राणी रक्षा का दिवस है पिच्छी परिवर्तन

अम्बाह. शाबाश इंडिया

पिच्छी जिसे प्राप्त हो जाती है वह उसके कर्मों का पीछा छुड़ा देती है। पिच्छी वालों के पीछे लगे रहना। अवश्य ही आप भी एक ना एक दिन पिच्छी ग्रहण कर लोगे। पिच्छी रत्नत्रय का प्रतीक है। पिच्छी में बंधी डोर, रस्सी, सम्यक दर्शन, पंख ज्ञान और दंडी सम्यक चरित्र का प्रतीक है। जीवों की रक्षा करने के काम आती है। पिच्छी परिवर्तन प्राणी रक्षा का दिवस है। यह उदगार क्षुल्लक श्री विगुण सागर महाराज ने व्यक्त किए। वे शुक्रवार को श्री जैन धर्मशाला में आयोजित पिच्छिका परिवर्तन समारोह के दौरान धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि पिच्छी मुनियों, संतों का आवश्यक उपकरण है। पिच्छी परिवर्तन बाहरी लेनदेन का नहीं बल्कि हृदय परिवर्तन का दिवस है। जो व्यक्ति संयम नियम लेकर मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ता है, उसे मुनिश्री पुरानी पिच्छी प्रदान करते हैं और नई पिच्छी ग्रहण कर ली जाती है। वर्ष भर उपयोग करते-करते पंखों की मृदुता समाप्त हो जाती है। इसलिए वर्षायोग के बाद इसे बदलकर नई पिच्छी ग्रहण कर ली जाती है। यह पिच्छी परिवर्तन कहलाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों के मंगलाचरण से हुआ। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजलि जैन ने किया वहीं आभार प्रदर्शन संतोष जैन रिठौना ने किया।

वेद ज्ञान

प्रेरणा कर्म का परिणाम

प्रेरणा किसी भी कर्म का मूल और परिणाम होती है। इसके बिना हम किसी कार्य की शुरूआत ही नहीं कर सकते। यह एक ऐसी ऊर्जा है, जो कार्य को करने के लिए प्रेरित करती रहती है। कार्य के पीछे प्रबल प्रेरणा से ही असंभव जैसे कठिन कार्य समय के साथ पूरे कर लिए जाते हैं। कोई भी चीज यों ही अनमने ढंग से पाई और पूरी नहीं की जा सकती है। किसी कार्य को शुरू से अंत तक एक लय के साथ करना एक चुनौती है, जो किसी विशिष्ट उद्देश्य से प्रेरित हुए बिना असंभव है। जहां भी हमारी प्रेरणा कमजोर होती है। हमारे कार्य का अंजाम लड़खड़ा जाता है। असफलता के कारणों का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो पता चलेगा कि इनमें अधिकतर का कारण प्रेरणा का अभाव ही है। सफल व्यक्तियों या महापुरुषों की जीवनगाथा को देखें तो पता चलेगा कि वे अपने लक्ष्य के प्रति प्रेरित थे। प्रेरणा कैसे मिले? कौन हमें प्रेरित करे? और इसे कैसे लगातार बनाए रखें? समाज में जिसकी प्रतिष्ठा होती है, जिसे अच्छा माना जाता है, हम उसी ओर आकर्षित होते हैं। समाज के मूल्य और मानदंड हमें उस ओर जाने की अनायास प्रेरणा देते हैं। हम उसे पाने के लिए बरबस चल पड़ते हैं। मूल्यों की उत्कृष्टता और निकृष्टता समाज के ऊपर निर्भर करती हैं, परंतु समाज में जो भी मूल्य प्रभावी होंगे, वही हमें प्रेरित एवं प्रभावित करते हैं। समाज हमारी प्रेरणा का प्रमुख केंद्र है। स्वतंत्रता आंदोलन में वीर बलिदानियों की लंबी सूची है। ये शहीद भारतमाता के चरणों में अपने जीवन को खुशी-खुशी इसी कारण उत्सर्ग कर सके, क्योंकि राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम ही उन्हें इस ओर प्रेरित करता रहा। उनकी प्रेरणा कभी कमजोर नहीं पड़ी और वे कभी दुर्बल नहीं हुए। आज समाज में धन की सर्वोपरि प्रतिष्ठा है। इसलिए यह प्रतिष्ठा हमारी प्रेरणा बन गई है। धन उपार्जित करना बुरी बात नहीं है। धन उपार्जन करना चाहिए, परंतु इसके लिए नैतिक मूल्यों को ताक में रखकर नहीं। आज अधिकांश लोग केवल किसी भी प्रकार से रातोंरात धनवान हो जाने की कार्ययोजना को क्रियान्वित करने में जुटे हैं। यहां पर जो चीज उन्हें प्रेरित कर रही है, वह है धन, लेकिन याद रखें धन से आप सुख-सुविधाएं और वस्तुएं खरीद सकते हैं, लेकिन शांति नहीं खरीद सकते।

संपादकीय

खालिस्तान समर्थन के नाम पर भारतीय राजदूतों के साथ अभद्रता

पिछले कुछ समय से कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया में कुछ खालिस्तान समर्थकों ने जिस तरह की हरकतें करनी शुरू कर दी हैं, उससे यही लगता है कि भारत में मनमानी करने में मिली हताशा को अब वे दूसरे देशों में अभिव्यक्त कर रहे हैं। मुश्किल यह है कि बाहर के देशों में कुछ वजहों से कानूनी जटिलताओं का फायदा उठा कर अब वे सार्वजनिक रूप से उच्चाधिकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार करने की कोशिश करने लगे हैं। अमेरिका में न्यूयार्क के लांग आइलैंड में रविवार को भारत के राजदूत के साथ खालिस्तान समर्थकों की हरकत उसी का संकेत है। गौरतलब है कि गुरुपर्व के अवसर पर भारत के राजदूत वहां एक गुरुद्वारे में अरदास करने और लोगों से मिलने-जुलने गए थे। मगर उस वक्त गुरुद्वारे में मौजूद खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने उनके साथ धक्कामुक्की की। हालांकि वहां मौजूद सिख समुदाय के अन्य सदस्यों ने उत्पात मचाने की कोशिश करने वाले खालिस्तान समर्थकों

को गुरुद्वारे से बाहर निकाल दिया। मगर चंद खालिस्तान समर्थकों ने जैसी हरकत की, उसकी अनदेखी इसलिए भी नहीं की जानी चाहिए कि अगर वे गुरुद्वारे जैसे किसी सार्वजनिक स्थान पर एक अहम पद पर बैठे व्यक्ति के साथ धक्कामुक्की कर सकते हैं तो किसी अप्रत्याशित वारदात की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यों वहां मौजूद खुद सिख समुदाय के लोगों ने ही यह साबित किया कि अवांछित हरकत करने वाले लोगों को प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता। गिनती के कुछ लोग अगर खालिस्तान समर्थन के नाम पर मनमानी करने की कोशिश कर रहे हैं तो वे कामयाब नहीं होंगे। कुछ उत्पातियों ने जिस वक्त भारतीय राजदूत के साथ धक्कामुक्की की, उससे ठीक पहले गुरुद्वारे के भीतर ही सिख समुदाय के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया था। वहां भारतीय राजदूत ने यह भी कहा कि भारत का विदेश में बसे भारतीयों और सिख समुदाय के साथ करीबी रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। जाहिर है, खालिस्तान समर्थक गुटों में एक तरह से इस बात से हताशा दिखती है कि अलगाववाद के झांसे में ज्यादातर सिख नहीं आ रहे हैं और उनकी प्राथमिकताओं में शांति ही है। मगर यह भी सच यह है कि अमेरिका और खासतौर पर कनाडा में पिछले कुछ समय से खालिस्तान समर्थक गुटों ने अपने पांव फैलाए हैं और भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उसके प्रति लापरवाही भी नहीं बरती जानी चाहिए। इसी वर्ष जून में कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या को लेकर कनाडा की ओर से भारत पर निराधार सवाल उठाए गए, मगर सबूत मांगे जाने पर कनाडा के टालमटोल की स्थिति अब भी जारी है। इसके अलावा, हाल ही में एक खबर में किए गए दावे के मुताबिक, गुरपतवंत सिंह पन्नू को अमेरिका में मारने की साजिश रची जा रही थी और वहां की खुफिया संस्था एफबीआइ ने इसका खुलासा किया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि अमेरिका ने इस मुद्दे को भारत के सामने उठाया है। सवाल है कि क्या कनाडा या अमेरिका अपनी जमीन पर खालिस्तान समर्थक अलगाववादी गतिविधियों से इतने अनजान हैं कि वे चाहे-अनचाहे उनकी राह आसान करने की कोशिश करते हैं? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

तेज होती तरक्की...

जब भारत विकास के पथ पर बढ़ रहा है, तब न केवल लोक-कल्याण की योजनाओं, बल्कि उसके पूंजीवादी स्वरूप का भी विस्तार हो रहा है। बुधवार को जहां केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी, 2024 से पांच साल तक बढ़ाने की घोषणा कर दी, वहीं भारत के प्रमुख शेयर बाजार का पूंजी आकार चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। पहले बात प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की, इस योजना पर सरकार अगले पांच वर्षों में कुल 11.80 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। चिह्नित परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। वास्तव में, इस मुफ्त अनाज योजना के निंदक भी बहुत हैं, जो नहीं चाहते कि यह योजना चले, पर स्वाभाविक रूप से ऐसी लोक-लुभावन योजना को शुरू करने के बाद बंद करना आसान नहीं है। चूंकि एक बड़ी आबादी ऐसी है, जिसे इस योजना से लाभ हुआ है और इसे जारी रखने में सरकार को भी कोई खास दिक्कत नहीं आ रही है, इसलिए भी कम से कम आगामी पांच वर्ष के लिए इस योजना को भारतीय लोक-कल्याण योजनाओं में प्रमुखता से शामिल मानने में कोई हर्ज नहीं है। हालांकि, इसके लाभार्थियों के दायरे को क्रमशः कुछ कम किया जाना चाहिए। ध्यान रहे, जब हम इस योजना का प्रचार करते हैं, तब यह भी बताते हैं कि देश के 81 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिल रहा है, इससे दुनिया में यही ध्वनि जाती है कि भारत के ज्यादातर लोग गरीब हैं और उन्हें मुफ्त अनाज की जरूरत है। अगर सरकार जरूरतमंदों को ही यह लाभ दे और अनाज का उनका हिस्सा बढ़ा दे, तो यह योजना और भी कारगर कहलाएगी। किसी योजना को जारी रखना अच्छी बात है, लेकिन समय के साथ उसके लक्ष्य को भी ज्यादा निर्दिष्ट करते चलना चाहिए, ताकि यह आभास लगातार हो कि भारत में मुफ्त अनाज के तलबगारों की संख्या घट रही है। ध्यान रखना चाहिए कि यह योजना 2020 में कोरोना महामारी के दौरान राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी और वह महामारी अब बीती बात हो चुकी है। खैर, बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल का एक और फैसला भी ध्यान खींचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 24,104 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) को मंजूरी दी है। इस योजना से देश में लगभग 11 करोड़ की आबादी वाले जनजातीय समूहों के विकास को बहुत बल मिलेगा। अब बात देश को मिल रही पूंजीगत मजबूती की। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य बुधवार को पहली बार चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। अगर भारतीय मुद्रा में बात करें, तो बॉम्बे शेयर बाजार में दर्ज कंपनियों का बाजार मूल्य 3,333 खरब रुपये के करीब पहुंच गया है। विदेशी निवेशकों के साथ ही देशी निवेशकों का भी विश्वास हम जीतते हुए आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है, चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक बाजार पूंजी वाले शेयर बाजार दुनिया के चार ही देशों में सेवाएं दे रहे थे। अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के साथ अब भारत भी मूल्यवान देशों में शुमार हो गया है। मोटे तौर परढाई वर्ष की अवधि में हम तीन से चार ट्रिलियन तक पहुंचे हैं। भारत की तरक्की चौंकाती ही नहीं, बल्कि प्रेरित भी करती है कि पूंजी का तेज विस्तार हो और देश लोक-कल्याण के मोर्चे पर भी अपना परचम फहराता रहे।

साध्वी वृंद को आदर की चादर ओढ़ाकर सज्जनविलास में किया अभिनन्दन

कर्म किसी को भी नहीं बख्शते हैं: महासाध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

कर्म किसी को भी नहीं बख्शते है। भोगने पर ही प्राणी कर्मो से छुटकारा प्राप्त कर सकता है। शुक्रवार चितौड़ रोड़ के समीप सज्जन विलास में प्रखंर वक्ता डॉ.प्रिती सुधा ने घंटाकर्ण महावीर के महाजाप के दौरान श्रध्दालूओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि कर्मफल भोगने से स्वंय भगवान नहीं बच सके तो हमारे जैसे संसारिक मनुष्य की क्या बिसात है जो वह कर्मो के फल से बच जाऐगा। कर्मो का फल तो सब को भोगना ही पड़ेगा है,चाहे इस जन्म में भोगे या अगले जन्म में,भोगें बिना संसार से छुटकारा हमें नहीं मिलने वाला है। दुनिया मे अब तक ऐसा को प्राणी पैदा नहीं हुआ है जिसने कर्म से बचकर संसार से मुक्ति पाई हो। बिना भुगतान किये कर्म हमारा पीछा नहीं छोड़ेगे चाहे हंसकर भुगते या रोकर कर्म किसी भी हालत मे नहीं बख्शते वाले है। जब हम अशुभ कर्म करते उस वक्त यह सोचते है कि कौई भी हमें नहीं देख रहा है लेकिन कर्मो के एक नहीं असंख्य आंखे होती है हम लाख जतन करले पर कर्म को छिपाऐ नहीं छिपा पाऐगे। भुगतान किऐ बिना हमारी आत्मा को संस्कार से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। अच्छे कर्म करके पर ही हम कर्मो की निर्जरा कर पाएंगे। साध्वी सयंम सुधा ने भजन के माध्यम से भाव व्यक्त कियें। इसदौरान बाबेल परिवार के महावीर, ललित, साहिल विकास, सिद्धार्थ संगीता,नीता,साक्षी,निमिशा आदि बाबेल परिवार के सदस्यों ने श्री शांति भवन के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़, अहिंसा भवन के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना,नवरतनमल बम्ब, लक्ष्मणसिंह बाबेल, हेमंत आंचलिया,सुशील चपलोत,प्रवीण कोठारी, श्याम सुंदर सोमानी, मंजू पोखरना, रजनी सिंघवी, सुनीता झामण, संजूलता बाबेल,उमा आंचलिया,वनीता बाबेल आदि सभी की उपस्थिति में महासती उमरावकंवर,महा साध्वी प्रितीसुधा, साध्वी मधुसुधा, तप रत्नेशरी सयंम सुधा आदि को बाबेल परिवार ने आदर की चादर ओढ़ाकार साध्वी मंडल का अभिनन्दन किया गया। इसदौरान बाबेल परिवार एवं अनेक श्रध्दालूओं ने साध्वीयो से 6 महिनों तक रात्रि भोजन नहीं करके प्रत्याखान लिए। निलिष्का जैन बताया शनिवार को साध्वी प्रितीसुधाआदि ठाणा ए सेक्टर शास्त्री नगर में लोढ़ा निवास स्थान पर विराजेगे।

संकलन:
निलिष्का जैन

श्रीनिम्बाकार्चार्य जयंती महोत्सव में शुक्रवार से रासलीला का आरंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्टेशन रोड स्थित श्रीमाधो बिहारी जी मंदिर में श्रीनिम्बार्क परिषद द्वारा चल रहे श्रीनिम्बाकार्चार्य जयंती महोत्सव में शुक्रवार से रासलीला का आरंभ हुआ। श्रीरासबिहारी युगल सरकार ने अपना लीलामृत प्रकट किया। वृन्दावन से पधारे श्रीभुवनेश्वर जी वशिष्ट के श्रीराधासर्वेश्वर रास मण्डल द्वारा रासलीला का दर्शन कराया। श्रीमाधवबिहारी सरकार के 56 भोग झाँकी के दर्शन हुए तथा बधाई गान किया गया। निम्बार्क महासभा के महामंत्री श्रीवृन्दावन दास जी महाराज एवं आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत श्रीपद्मनाभशरण देवाचार्य जी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ कराया। श्रीनिम्बार्क परिषद् के अध्यक्ष देवेशचंद्र स्वामी ने माल्यार्पण कर शुकसम्प्रदायाचार्य अलबेली शरण जी महाराज तथा अन्य संतों का स्वागत किया। आयोजन में मध्यप्रदेश सरकार के निवर्तमान मंत्री अरविंद भदौरिया भी पहुंचे। परिषद् के कोषाध्यक्ष गजानंद अग्रवाल ने बताया कि आज नित्यरास, मयूर नृत्य, वेणुगूँथन लीला और गोरे ग्वाल लीला का दर्शन हुआ। उपाध्यक्ष चंद्रबिहारी सोडानी ने बताया कि 28 से 30 तक श्रीनिम्बार्क चरित्र कथा का आयोजन हुआ जिसमें महामंडलेश्वर श्रीपद्मनाभशरण जी ने श्रीनिम्बार्क चरित्र तथा वेदान्त दशश्लोकि पर सारगर्भित प्रवचन किये। अब 1 से 2 दिसंबर तक रासलीला का आयोजन है। सम्पूर्ण आयोजन में भक्तगण उत्साह से सम्मिलित होकर आनंद प्राप्त कर रहे हैं। पंगत प्रसादी की व्यवस्था की गई है।

हमारे रिश्तों के दुश्मन बनते मोबाइल फोन

मोबाइल बन रहे रिश्तों में दरार की वजह? मोबाइल फोन के अनुचित उपयोग के कारण आपसी रिश्तों को हो रहा नुकसान। फोन लोगों को आपस में जोड़े रखते हैं और संबंध बनाए रखने में मदद करते हैं। लेकिन कुछ मामलों में वे अवरोध भी बन जाते हैं। किसी के सामने उसके फोन की तारीफ करना और किसी को नीचा दिखाना आजकल की एक बड़ी समस्या बन गया है। सोचिए आज क्यों मोबाइल बन रहे रिश्तों में दरार की वजह? कोई माने या न माने, वास्तविकता में मोबाइल के हद से ज्यादा उपयोग से सामाजिक रिश्तों में हम सब की दिक्कतें बढ़ी हैं। पहले के दौर में जब मोबाइल नहीं था, तो लोगों का आपस में काफी मिलना-जुलना होता था। संवाद का सिलसिला चलता रहता था। लोग एक-दूसरे के दर्द और भावना को समझते थे। साथ ही समस्याओं के निपटारे के लिए प्रयास करते थे। अब मोबाइल के आगमन के बाद बातें तो काफी हो रही हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरियां काफी बढ़ गई हैं। लोगों के बीच उचित संवाद नहीं हो पा रहा है। व्यक्तिगत समस्याओं का जाल बढ़ रहा है और रिश्तों की बुनियाद कमजोर पड़ती जा रही है। आज के समय में एक ही घर में रह रहे लोग एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने लग गए हैं। यही नहीं रोजाना एक साथ बैठकर होने वाली बातचीत और सोशल मीडिया ग्रुप्स पर होने लग गयी है। ऐसे में इन आदतों का सीधा असर आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। मोबाइल फोन के अनुचित उपयोग के कारण आपसी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने वाली जो नई आदतें बन रही हैं, उनमें फबिंग भी शामिल है। स्मार्ट फोन पर चिपके रहने के कारण जब आप अपने करीबी रिश्ते को इग्नोर करते हैं, तो उसे फबिंग कहा जाता है। फबिंग एक ऐसा शब्द है जो स्मार्टफोन की लत से जुड़ा है। यह शब्द फोन और स्नबिंग से मिलकर बना है। स्नबिंग का मतलब होता है अनादर करना या फिर अनदेखी करना। स्मार्टफोन के इस्तेमाल से दूसरों की भावनाओं को समझना और भी मुश्किल हो जाता है । जब किसी का पूरा ध्यान स्मार्टफोन पर हो तो उसके चेहरे को पढ़ना मुश्किल है। इसका मतलब है कि इस प्रकार की स्थितियाँ आमने-सामने की बातचीत से कमजोर होती हैं। सार्थक बातचीत के बिना रिश्ते उतने विकसित नहीं होते। आज के दौर में मोबाइल से बढ़ता लगाव पारिवारिक रिश्तों में दरार पैदा कर रहा है। पति-पत्नी के रिश्तों में मोबाइल प्यार नही बल्कि कलह पैदा करने लगा है। महिला आयोग के अनुसार पारिवारिक कलह के करीब 75 परसेंट केसेज का कारण मोबाइल रहा है।

मोबाइल के कारण पति-पत्नी के बीच गलतफहमी, मनमुटाव, लड़ाई-झगड़ा हुआ और मामला तलाक तक जा पहुंचता है। टेक्नोलॉजी हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। लेकिन इसका लगातार इस्तेमाल ना सिर्फ आपकी मेंटल हेल्थ को बिगाड़ रहा है, बल्कि आपके पार्टनर और रिश्तेदारों को भी आप से दूर कर रहा है। आज के युग डिजिटल युग में टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की लाइफ का एक अहम हिस्सा बन चुका है। यहां तक कि हम हमारे स्मार्टफोन से लेकर सोशल मीडिया और वीडियो कॉल तक अपने करीबियों से जुड़े रहने पर काफी भरोसा करने लगे हैं। एडवांस टेक्नोलॉजी ने हमारे करीबियों के साथ जुड़ना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। मोबाइल फोन के आने से जहां जिंदगी आसान हुई है वहीं कुछ मामलों में इसने नुकसान पहुंचाने का भी काम किया है। दरअसल पहले जहां यह एक जरूरत थी वहीं अब ये जरूरत के साथ लत बन चुकी है। ऐसी लत जिसके बिना लोगों का एक पल गुजारना भी मुश्किल हो गया है। ये लत अब रिलेशनशिप में भी दरार की वजह बन रही है। अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर लोग अपनी डिवाइस में इस कदर उलझे रहते हैं कि वो दूसरों के साथ बेहतरीन पलों को एंजॉय तक नहीं कर पाते। ऐसे में स्थिति कभी न कभी इतनी बिगड़ जाती है कि रिश्ते में एक दूसरे के बीच गलतफहमियां पनपने लगती हैं। वहीं लगातार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल आपकी मेंटल हेल्थ को भी नुकसान पहुंचा सकता है। आज के समय में जब सोशल मीडिया और फोन ही सब कुछ है लोग एक मिनट भी उससे दूर नहीं रह सकते हैं। लोग किसी से मिलते समय भी फोन पर देखते रहते हैं या सोशल मीडिया पर स्क्रोल करते रहते हैं। उन्हें सामने वाले से ज्यादा जरूरी फोन पर बात करना लगता है। इस व्यवहार को अपमानजनक के रूप में देखा जा सकता है। इससे आप अपने पार्टनर से दूर हो सकते हैं और रिश्ता टूटने की कगार पर आ सकता है। इस बात को सुनश्चित करने के लिए कि आपका रिश्ता पहले की तरह बरकरार रहे, आपको अपने इलेक्ट्रानिक डिवाइसेस से जब भी जरूरत हो तब छोटे-छोटे ब्रेक यानी डिजिटल डिटॉक्स जरूर करने चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक एक डिजिटल डिटॉक्स से आपके रिश्ते और सेहत दोनों सुधर सकते हैं। इस समस्या से बचने के लिए आपको जरूरी बातचीत, घर या परिवार के सदस्यों के साथ बैठने या व्यक्तिगत बातचीत के दौरान फोन का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। अपने लोगों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने में भी फोन बाधा नही बनना चाहिए।

स्मार्टफोन के इस्तेमाल का समय निर्धारित करें और अपने वर्तमान पर ज्यादा ध्यान देने की कोशिश करें। आपके आसपास क्या घट रहा है इसकी जानकारी फोन के माध्यम से होने के बजाय आपको सीधे होनी चाहिए। स्मार्टफोन के इस्तेमाल का समय कम करने और लोगों से सीधे कनेक्ट होने की कोशिश ज्यादा करें। ऐसा करने से आप दोनों चीजों को मैनेज कर पाएंगे। स्मार्टफोन या सोशल मीडिया पर बने दोस्तों और आपके आसपास के दोस्तों के लिए समय निकालने में संतुलन रखें। लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश जरूर करें की आप उन पर कितना भरोसा करते हैं।स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल के साथ आपको यह समझने की जरूरत है की आपके रिश्ते इससे कहीं ज्यादा जरूरी और ज्यादा मायने रखते हैं। रिश्तों में तनाव या दूरी बनने से आपकी जिंदगी पर गहरा असर पड़ सकता है। आजकल मोबाइल फोन सड़क पर मौत की पहली वजह भी बनते जा रहे हैं। साथ ही रिश्तों को बिगाड़ने की एक प्रमुख वजह भी। एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बिताने की जगह लोग अपने वर्चुअल फ्रेंड्स को मैसेज देने में व्यस्त रहते हैं। बतौर समाज हम इस उपकरण की उपयोगिता को समझें और समय और रिश्तों की कीमत पर उसके व्यर्थ इस्तेमाल से बचें ताकि हम अनजाने में हमारे हाथ से फिसलती खुशियों को थाम सकें।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,

चित्त पवित्र होता है तो हर चेहरे पर अपना चित्र दिखाई देता हैः आचार्य वसुनंदी महाराज

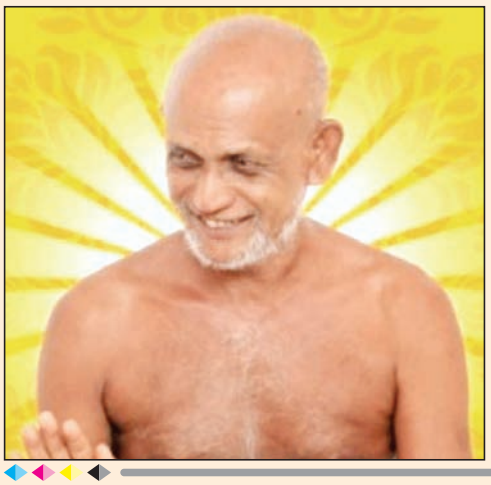

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया। भगवान का सिर्फ एक ही फरमान जिओ ओर जीने दो सबको। संसार में सभी सुख चाहते हैं और सुख का एक ही मार्ग था, है और रहेगा वह है चित्त की पवित्रता अर्थात जब चित्त निर्मल होता है कषाय मंद हो जाती हैं विषय वासना से व्यक्ति जब ऊपर उठता है, जब पाप की कीचड़ आत्मा को संलिप्त नहीं कर पाती है तब निर्मल चित्त होता है। जब चित्त पवित्र होता है तो हर चेहरे पर अपना चित्र दिखाई देता है उक्त प्रवचन जम्बूस्वामी तपोस्थली पर विराजमान जैनाचार्य वसुनंदी महाराज ने श्रावकों से व्यक्त किये। आचार्य ने कहा कि भगवान, परमात्मा, संत, अरिहंत,भगवंत, ऋषि, मुनि धमार्चार्य आदि ने यदि कोई भी फरमान जारी किया है चाहे वह उपदेश रूप में हो, आदेश रूप में हो, निर्देश संकेत रूप में हो, चाहे व्यक्ति विशेष के लिए हो, चाहे सभी को समझाने के लिए,चाहे अक्षर,अनक्षर किसी भी रूप में हो उसका सार एक ही है जियो और जीने दो अर्थात जिस प्रकार आप अपने लिए दूसरे का व्यवहार चाहते हैं उसी प्रकार दूसरे के लिए भी आप स्वयं व्यवहार करें उसे भी जीने दे और स्वयं भी जिए यही मानवता का सिद्धांत है। आचार्य ने विस्तृत विवेचन करते हुए कहा की फरमान का अर्थ आदेश ही होता है किन्तु आदेश और उपदेश दोनों में अंतर भी होता है।आदेश का पालन करना अनिवार्य होता है जबकि उपदेश सुने जाते हैं वह शक्ति के अनुसार पालन किए जाते हैं जहां आदेश सख्त होता है वही उपदेश व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन के लिए परिस्थिति जन्य होता है। प्रत्येक मानव को भगवान के फरमान को आदेश समझ कर ही मानना चाहिए और भगवान ने यही फरमान दिया है कि रजियो और जीने दो सबकोरइसी में सबका कल्याण निहित है। तपोस्थली के प्रचार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि अचार्य संघ के सानिध्य में 28 दिसंबर से 1 जनवरी तक पच्चीस समोशरण विधान का भव्य आयोजन तपोस्थली बोलखेड़ा पर किया जाएगा।

बच्चों के लिए पोषण और सहायक वातावरण आवश्यक

विजय गर्ग. शाबाश इंडिया

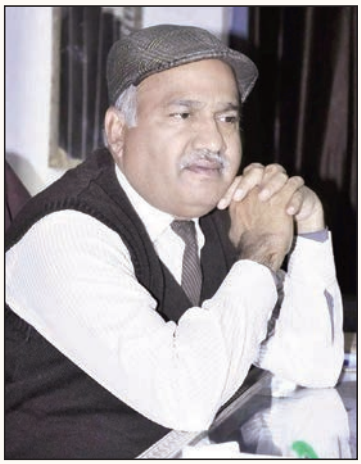

माता-पिता द्वारा अपने बच्चों पर डाला गया दबाव आत्महत्या के लिए एक योगदान कारक माना जाता है। यह दबाव मुख्य रूप से शैक्षणिक और भविष्य के कैरियर की सफलता के लिए उच्च उम्मीदों से उत्पन्न होता है। माता-पिता अक्सर अपने बच्चों को शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने और कई पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे बच्चे को भारी तनाव और चिंता होती है। इसके अतिरिक्त, कोचिंग सेंटरों या निजी ट्यूशन को विनियमित करने में असमर्थता दबाव को और बढ़ा देती है। ये कोचिंग सेंटर अक्सर असाधारण परिणाम प्राप्त करने पर केंद्रित होते हैं, लेकिन वे छात्रों के मानसिक कल्याण पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करने की उपेक्षा करते हैं। इन कोचिंग सेंटरों में जाने वाले छात्रों को लंबे समय तक अध्ययन और तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जिससे वे तनाव और दबाव महसूस करते हैं। माता-पिता स्वयं भी सामाजिक अपेक्षाओं को महसूस कर सकते हैं और अपने बच्चे की सफलता को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि के माप के रूप में उपयोग कर सकते हैं। इस प्रकार, वे नियंत्रित व्यवहार प्रदर्शित करते हैं और अपने बच्चे की शैक्षणिक प्रगति की अत्यधिक निगरानी करते हैं, जिससे विषाक्त और दबाव वाले वातावरण में योगदान होता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए, माता-पिता, शिक्षकों और नीति निर्माताओं का एक साथ आना महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय अपने बच्चे के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्कूलों को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए, परामर्श सेवाएं प्रदान करनी चाहिए और छात्रों के लिए सहायक वातावरण बनाना चाहिए। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए नियामक उपाय किए जाने चाहिए कि कोचिंग सेंटर केवल शैक्षणिक परिणामों के बजाय छात्र कल्याण को प्राथमिकता दें। अंततः, यह समझना महत्वपूर्ण है कि माता-पिता द्वारा बच्चों पर डाले गए दबाव के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनमें आत्महत्या का दुखद परिणाम भी शामिल है। बच्चों के लिए एक पोषण और सहायक वातावरण बनाना आवश्यक है, जहां उन्हें अवास्तविक अपेक्षाओं से अभिभूत हुए बिना, अपने जुनून का पता लगाने और अपनी गति से विकसित होने की स्वतंत्रता दी जाए।

विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट

अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सुपार्श्वनाथ मण्डल विधान का हुआ आयोजन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज के सानिध्य में जैन बिचला मंदिर पर संगीतमय सुपार्श्वनाथ महामण्डल विधान का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने मण्डप पर गाजे बाजे से 132 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर आराधना की। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि सुपार्श्वनाथ विधान से पूर्व पण्डित अशोक जैन धानी जबलपुर के निर्देशन में मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ जी की वृहद शांतिधारा करने का सौभाग्य महेंद्र कुमार डब्बू जैन संधी को मिला। इस दौरान सुपार्श्वनाथ अनुष्ठान में सानतकुमार इंद्र सूरजमल विमल कुमार पदमचंद चंद्र प्रकाश जैन पाटनी जौंला परिवार को बनने का सौभाग्य मिला। सोधर्म इन्द्र पुनीत संधी खुश्बू जैन, एवं यज्ञनायक बनने का सौभाग्य सूरजमल नवरत्न टोंग्या को मोका मिला। इसी तरह धनपति कुबेर इंद्र सोभागमल जैन सेदरिया को एवं माहेन्द्र इंद्र पदमचंद टोंग्या को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जौंला ने बताया कि विधान में गायिका भावना जैन जबलपुर के मधुर भजनों पर विधान की पूजा अर्चना की गई जिसमें श्रद्धालुओं ने मण्डल जी पर 132 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर पूजा अर्चना की।

जौंला ने बताया कि विधान कार्यक्रम के पश्चात सुपार्श्वनाथ जी की मुख्य वेदी में प्रथम छत्र लगाने का सौभाग्य सुरेश सांवलिया को एवं मंदिर शिखर पर ध्वजा राजेश कुमार नरेश कुमार पाटनी को एवं वेदी में नवीन सिंहासन लगाने का सौभाग्य हेमचंद हर्षित कुमार संधी को मिला। इस दौरान कार्यक्रम में अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर महावीर प्रसाद छाबड़ा शंभु कठमाणा मनन दत्तवास वीरेंद्र जैन मूलचंद पांडया आशा लटुरिया संजू जौंला शकुंतला छाबड़ा अर्चना नानेर राजेश सांवलिया अनिता गोयल मीनाक्षी सांवलिया सहित कई इन्द्र इन्द्राणी मौजूद थे।

सहस्रकूट जिनालय का होगा भव्य शुभारंभ : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) में विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ धर्म की महती प्रभावना कर रही हैं।दिनांक 10 दिसम्बर 2023 को गुरु माँ ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन व सहस्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ का आयोजन होने जा रहा है। अतः आप सभी कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम के साक्षी बनें। प्रतिदिन यात्रीगण अभिषेक शांतिधारा करने के लिए क्षेत्र पर पहुंच रहे हैं। माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जीवन में बुद्धि आवश्यक है क्योंकि यह हमें बेहतर निर्णय लेने और स्पष्टता तथा अंतर्दृष्टि के साथ कठिन परिस्थितियों से निपटने में मदद करती है। यह लोगों को जीवन के अर्थ की पहचान कराती है।बुद्धि हमें चीजों के सतही स्तर से परे देखने और हमारे कार्यों के गहरे अर्थतथानिहितार्थ को समझने की अनुमति देती है।यह हमें नैतिक मूल्यों को विकसित करने और दूसरों को बेहतर ढंग से समझने के लिए काम करने में मददकरती है।विवेक के बिना,हम आवेगपूर्ण निर्णय ले सकते हैं या अधूरी जानकारी पर कार्य कर सकते हैं,जिससे हमारे और हमारे आस-पास के लोगों के लिए नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए,व्यक्तिगत विकास,सफलता और जीवन में खुशी के लिए बुद्धि का विकास होना महत्वपूर्ण है।जीवन में ज्ञान से अधिक बुद्धि का महत्व होता है क्योंकि ज्ञान आपको परिकलित जोखिम लेने की दिशा प्रदान करता है।अनुभव और परिस्थिति पर नियंत्रण के बिना जोखिम उठाना आपदा का कारण बन सकता है।

प्रमुख समाज सेवी
मुनीभक्त श्री सुभाष जी पाटनी को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

शुभेच्छु: महेश काला, अशोक जैन 'नेता', राकेश छाबड़ा, दिनेश पारीक एवम समस्त मित्रगण

अन्तर्मना प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

धन दौलत सिर्फ हमारे रहन-सहन के स्तर को बदल सकती है लेकिन हमारी नियति, बुद्धि और तकदीर को नहीं। बच्चा जब जन्म लेता है, तो दो मुट्ठी पुण्य की दौलत को लेकर आता है ।बच्चे की मुट्ठी को आप कितना ही खुलवाएं, वो बच्चा मुट्ठी खोलता नहीं है।समझदारी इसी में है, जब हम यहाँ से जायें तो दो ट्रक पुण्य, सेवा, सत्कर्म, परोपकार, दया, धर्म, सत्संग की दौलत को अपने साथ लेकर जायें। दो मुट्ठी पुण्य के फल से हमें परिवार मिला, कुछ धन, दौलत, वैभव मिला। उम्र के प्रभाव से वह बढ़ता गया। जमीनें खरीदी, मकान बनवाया, लोगों को काम पर रखा, उनका पेट भरा, कितनों पर हुकूमत की, और कितनों के सामने गिड़गिड़ाया, पर जाते समय दोनों हाथ फैलाकर, उंगलियों को तानकर, बन्द मुट्ठी खोलकर चला गया। मनुष्य जीवन की यही सबसे बड़ी विचित्रता है। इन्सान जो पुण्य की दो मुट्ठी दौलत लेकर आया था, उसे सत्कर्म, सेवा, परोपकार से आजमाया और चल दिए। यही विचित्र परिवर्तन ही संसार का नियम है। इस परिवर्तन से सिर्फ शरीर ही नहीं बदलता बल्कि मन, भाव, सोच, विचार, संकल्प, इच्छायें भी बदलती है। वो बहुत सौभाग्य शाली होते हैं जो इन परिवर्तनों को देखकर, समझ पाते और अपने आप को सम्भाल पाते। क्योंकि जिस प्रकार जमीन के नीचे पानी और पत्थर में परमात्मा की छवि छुपी होती है, उसी तरह हर आत्मा में परमात्मारूपी बनने की ज्योति छिपी होती है। जिस तरह पानी निकालने के लिये गड्ढा खोदना पड़ता है और पत्थर में प्रतिमा के दर्शन के लिये तरसना पड़ता है।उसी तरह आत्मा में बैठे परमात्मा के दर्शन के लिये, मनुष्य को तप, त्याग, संयम और साधना से गुजरना पड़ता है।

संकलन: नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

तप ही वांछित सुख देता है: आचार्य श्री अरुण सागर महाराज

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। आराध्य धाम दिगम्बर जैन जिनालय में चल रहे पंच कल्यानक महोत्सव के तीसरे दिन आज तीर्थकर बालक की बाल क्रीड़ाएं, उनकी शिक्षा, विवाह, राज्य संचालन व वैराग्य पथ पर गमन की क्रियाये सम्पन्न हुई। सुबह जिनभिषेक के पश्चात पूज्य आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज ने शांति धारा का आशीर्वाद प्रदान किया। तीर्थकर बालक की मोहक बाल क्रीड़ाएं रोमांचक रहीं। युवा होने पर उनका राज्याभिषेक व चक्रवर्ती पद की प्राप्ति,असीम धन धान्य व अतुल सम्पदा के होने पर भी मन में मुक्तिपथ पर अग्रसर होने के संस्कार विद्यमान थे व असीम भौतिक सुख के बीच रहकर भी वे पल्लवित हुए.सौंदर्य, वैभव व समृद्धि से अप्लावित हस्तिनापुर नगरी को छोड़ प्रभु ने दिगम्बर दीक्षा धारण कर ली व वन में तप के लिए चले गए.प्रभु के वन गमन के दृश्य बहुत भावुक करने वाले व मोह से विमुख करने वाले थे। अपने उदबोधन में पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी व आचार्य अरुण सागर जी ने कहा कि जीवन में तप, साधना से ही वांछित सच्चा सुख, स्वर्ग व मोक्षपद मिलता है। अन्न की फसल, सभी फल भरी गर्मी में तप कर ही मीठे रसीले आम या तृप्ति दायक व्यंजन बनते हैं. कच्चा आटा अंगारो पर तपकर स्वादिष्ट रोटी बनाता है अतः हम सभी को अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम,सतत साधना करनी चाहिए। आज के कार्यक्रम में अजय गौड़ ने आकर गुरूजी से आशीर्वाद लिया व सदैव सदकार्यों में सहयोग हेतु वचन दिया। कार्यक्रम में अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, सर्वोदय हॉस्पिटल फरीदाबाद, वर्धमान महावीर सेवा सोसाइटी, जैन इंजिनियर सोसाइटी, सकल जैन समाज फरीदाबाद व बल्लभगढ़, विभिन्न सेवा दल, महिला मण्डल सराहनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रतिदिन संध्या कालीन आरती, संस्कृतिक कार्यक्रम व पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज जी के शंका समाधान कार्यक्रम भी जन जन को आनंद प्रदान कर रहे हैं।

अखिल भारतीय दिगंबर जैन केंद्रीय महिला परिषद द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय दिगंबर जैन केंद्रीय महिला परिषद झालरापाटन के तत्वावधान में स्थानीय पारसनाथ भवन में भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष में विशाल रक्तदान शिविर डॉक्टर रश्मि गुप्ता महिलाओं की समस्या हेतु निशुल्क परामर्श का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर डीके जैन ने कहां की रक्त का किसी कारखाने में निर्माण नहीं होता है रक्त से बड़ा कोई दान नहीं है । नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा मनीष चादवाड़ ने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगी बचाई जा सकती है। मानवता के क्षेत्र में रक्तदान करना सबसे बड़ा धर्म है प्रधान भावना झाला ने कहा की रक्तदान हमारा सामाजिक दायित्व है इसमें सभी को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए व्यापार संघ अध्यक्ष यशोवर्धन बाकलीवाल ने कहा कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति ही व्यक्तिगत संतुष्टि और आत्म सम्मान महसूस करते हैं जो मनुष्य को सामाजिक जुड़ाव और अपनेपन की भावना प्रदान करता है अखिल भारतीय दिगंबर केंद्रीय महिला परिषद की अध्यक्ष वनिता बढ़ जातियां ने बताया कि झालावाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की ब्लड बैंक टीम डॉक्टर उत्कर्ष डॉक्टर चारू लैब टेक्नीशियन वैभव, छाया, गोविंद, शरीफ मोहम्मद , के नेतृत्व में 30 यूनिट रक्तदान किया। **64वीं बार रक्तदानः-** सचिव श्रुति सोगानी ने बताया कि पोरवाल समाज के अध्यक्ष जगदीश कुमार गुप्ता द्वारा अपनी उम्र से ज्यादा 64वीं बार रक्तदान कर मानवता के इस पुनीत कार्य में अपनी आहुति दी इस पर परिषद की ओर से पुष्पगुच्छ एवं मैडल भेंट कर सम्मान किया। जोड़े से किया रक्तदान समाज के भावना नितिन पापड़ीवाल ने जोड़े से रक्तदान कर मिशाल पेश की। प्रथम बार रक्तदान किया चिराग जैन स्तुति चंदवाड़ ,सलोनी बा गड़िया, अमन पाटनी ,समर्थ महेश्वरी, खुश गुप्ता, ने प्रथम बार उत्साह से रक्तदान कर सामाजिक जुड़ाव की मिसाल कायम की उपहार दिए एचडीएफसी बैंक झालावाड़ के प्रतिनिधि प्रवीण अग्रवाल एवं विषक सुन द्वारा रक्त वीरों को उपहार स्वरूप बैग वितरित किए केंद्रीय परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे। यह भी रहे उपस्थित समाजसेवी गिरधर जैन, संजय बड़जातियां मुकेश चेलावत, अशोक चंदवाड़ ,रमेश महेश्वरी, संजय बड़जात्या, विक्रम कुमावत, नितिन सेठी, हिमांशु सोगानी, गौरव जैन, कमल सोनी, भारत पपड़ीवाल, अजय मोमिया मौजूद थे अग्रवाल समाज अध्यक्ष सुनीता मित्तल उनकी टीम एवं रेखा महेश्वरी भी मौजूद रही। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि संचालन श्रुति सोगानी ने किया और सभी का आभार अध्यक्ष वनिता बड़जात्या ने व्यक्त किया।

सीआरडीएवी स्कूल में संविधान दिवस के परिपेक्ष्य में हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

एलनाबाद। शहर के डबवाली रोड पर स्थित सी आर डी ए वी पब्लिक स्कूल में सी बी एस ई में गत दिवस दिशा निर्देशों के अनुसार भारतीय संविधान पर इंटर हॉउस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें क्विज मास्टर की भूमिका स्कूल के वाईस प्रिंसिपल शिव कुमार डूडी ने निभाई। स्कूल प्रिंसिपल कमल मेहता ने इस बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए 25 नवम्बर को स्कूल स्तर पर कक्षा छठी से बारहवीं तक लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था।जिसमें कक्षा में हर हॉउस में अव्वल रहे विद्यार्थियों का चुनाव किया गया।इसके बाद हर हाउस से 2 टीमों का चयन मुख्य प्रश्नोतरी प्रतियोगिता के लिए किया गया,जिसमें पहली टीम अग्नि - द फ्लेम, दूसरी टीम-ब्रह्मोस-द सुपरसोनिक, तीसरी टीम - प्रहार - द डिस्ट्रॉयर, चौथी टीम - पृथ्वी - द अल्टीमेट, पांचवीं टीम - अग्नि - द प्राइम, छठी टीम - ब्रह्मोस - द क्रूज, सातवीं - प्रहार - द अटैकर, आठवीं टीम - पृथ्वी - सेवियर के बीच फाइनल प्रतियोगिता खेली गई,जिसमें कुल आठ राउंड थे। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम ब्रह्मोस द सुपरसोनिक रही वहीं टीम पर दूसरा स्थान टीम प्रहार द डिस्ट्रॉयर ने हासिल किया और टीम ब्रह्मोस द क्रूज तीसरे स्थान पर रही। इस मौके पर विजेता टीम को मेडल पहनाकर उन्हें पुरस्कृत किया गया।स्कूल के कार्यकारी निदेशक तरुण मेहता ने बताया कि स्कूल एक सही अंतराल के बाद विद्यार्थियों के मानसिक विकास वृद्धि के लिए ऐसे ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता का आयोजन करवाता रहता है।उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ऐसी प्रतियोगिताओं का क्रमबद्ध तरीके से आयोजन स्कूल प्रांगण होगा। इस अवसर पर स्कूल के चैयरमेन ईश कुमार मेहता, प्रबंधकीय निदेशक जगदीश मेहता, डायरेक्टर बलकार सिंह व कन्हैया लाल गुप्ता, कार्यकारी निदेशक तरुण मेहता, प्रिंसिपल कमल मेहता, वाईस प्रिंसिपल शिव कुमार डूडी व स्कूल स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद थे।

रविवार को जनकपुरी में संगोष्ठी

मुनि संघ के सानिध्य में "अहिंसक - शाकाहार" विषय पर संगोष्ठी के लिए श्रीफल भेंट

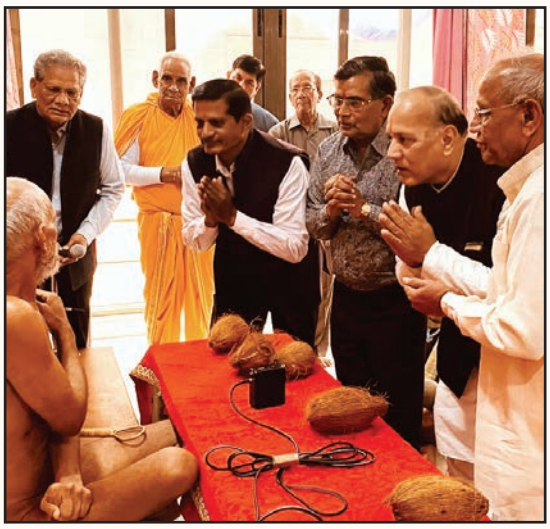

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महाराज के शिष्य मुनिश्री 108 जिनानंद जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में ''अहिंसक शाकाहार'' विषय पर एक विचार गोष्ठी राजस्थान जैन साहित्य परिषद एवं धर्म जागृति संस्थान राजस्थान द्वारा रविवार को प्रातः आयोजित की गई है। धर्म सभा में परिषद के अध्यक्ष प. विनोद शास्त्री व संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया के साथ अन्य पदाधिकारियों ने मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संगोष्ठी संयोजक महावीर कुमार चाँदवाड अनुसार इस मासिक संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता मूर्धन्य विद्वान डॉ. किरण प्रकाश शास्त्री, श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर जयपुर होंगे। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव वर्ष को आचार्य वसुनंदी जी ने ''अहिंसक शाकाहार'' वर्ष के रूप में मनाने का आह्वान किया है तथा इस संगोष्ठी से इस गहन विषय को जानने समझने व अपनाने का सुअवसर समाज को प्राप्त होगा।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
एडवान्स टेक्नोलोजी

सुरक्षित निर्माण

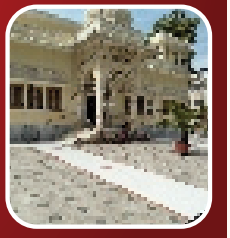
Pidilite
DR. FIXIT
WATERPROOFING EXPERT
Rajendra Jain
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
80036-14691
DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Opp. D-Mart, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

निर्यापक मुनिपुंगवश्री ससंघ का कमला नगर जैन मदिर में हुआ मंगल प्रवेश, भक्तों ने की गुरुदेव की अगवानी

आगरा. शाबाश इंडिया

1 दिसम्बर को आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक में निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का 14 वर्षों के बाद ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। कमला नगर पहुंचते ही मुनिश्री की अगवानी को सकल दिगम्बर जैन समाज कमला नगर उमड़ पड़ा। निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ एवं मुनिश्री अरहसागर जी महाराज का मंगल विहार प्रातः 8:00 बजे एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत से आजाद पेट्रोल पम्प,यस बैंक,सूरसदन चौराहा एम.जी.रोड,नेहरू नगर पेट्रोल पंप, बाईपास,सुल्तानगंज की पुलिया से विकास मार्केट होते हुए कमला नगर पहुंचे,जहां बड़ी संख्या में भक्त मुनिश्री की अगवानी को प्रतीक्षारत थे। मुनिसंघ के विकास मार्केट पहुंचने पर गुरुवर का जोरदार भव्य स्वागत किया गया। मुनिश्री की अगवानी देखते ही बनी। समाज का हर वर्ग मुनिसंघ की अगवानी को अति उत्सुक नजर आया। पूरे कमला नगर मार्ग को बहुत सुंदर रंगोली से सजाया गयो बैंड बाजों के साथ महिलाएं एवं पुरूष वर्ग सभी ने इसमें सहभागिता की। मुनिसंघ के कमला नगर पहुंचने के उपरांत सर्वप्रथम मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के दर्शन किऐ इसके बाद मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। पीएनसी परिवार को निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के चरणों का प्रक्षालन करने सौभाग्य मिला। भक्तों ने शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। साथ ही मुनिश्री के समक्ष श्रीफल भेंट करने के बाद सभी ने क्रमानुसार आशीर्वाद प्राप्त किया। पीएनसी परिवार एवं रोहित जैन,आलोक जैन अहिंसा की ओर से दीप प्रज्जवलित कियो इसके बाद कमला नगर की महिलाओं ने सामूहिक रूप से मुनिपुंगवश्री का पूजन किया।

इसी दौरान भक्तों को मुनिपुंगवश्री धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहली बात तो तुम इतना देखकर सावधानी से चलो कि काँटा लगे ही नही, लेकिन काँटा लग जाने के बाद अब एक काँटा और लाओ। दोनो काँटे में अंतर है- एक जो अबुद्धि, प्रमाद, अज्ञानतापूर्वक लगता है वो काँटा दुःख देता है, दूसरा काँटा हमने खोजा है, जिस काँटे को हमने खोजा वो काँटा दुःख नही देता बल्कि दुःख को दूर करके सुखी करता है। तुम संसार मे रहकर इतने कांटे लगा लेते हो कभी क्रोध का, कभी मान, माया या लोभ का। इतने काँटे लगा लेते हो उनको निकालने के लिए हमे ये मन्दिर रूपी काँटा बनाना पड़ता है। जिनेंद्र देव को सिद्धालय से उतरकर यहाँ आना पड़ता है। दूसरे काँटे को बड़ी सावधानी से खोजते है। पाप, विनाश अशुभ कार्य के लिए कोई सावधानी नही चाहिए, वो तो हो जाते है लेकिन अशुभकार्य करने के बाद जो बन्ध होता है और उसके फल की जब बारी आती है, तब व्यक्ति को लगता है मेरे अशुभकर्म का परिहार हो। इसलिए जिनवाणी माँ ने, गुरुओं ने आप लोगो के मकानों के बीच मे जिनेंद्रदेव भगवान को हमेशा के लिए बैठाल दिया। कुछ रास्ते ऐसे होते है जिनमे कांटे लगेंगे ही लगेंगे, जब काँटा लगना निश्चित है तो निकालने वाला काँटा भी पहले से जेब मे रख लो न देव- शास्त्र- गुरु की गृहस्थ संगति करता है इसलिए नही कि उसे मोक्ष जाना है, इसलिए करता है मैं जिस संसार मे रह रहा हूँ उसमे सुख पूर्वक रहूँ। धर्म को अपन जब देते है तो दुनिया मे घोषणा करते है और धर्म हमे जब देता है तो कानो भी खबर नही देता। मंच का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गयो *मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन प्रतिदिन प्रात 8:30 बजे एवं जिज्ञासा समाधान सायः 5:30 बजे से सायः6:30 बजे आचार्य विद्यासागर संत निलेय कमला नगर में होंगे। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,चक्रेश जैन, योगेश जैन, जगदीशप्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल,नीरज जैन जिनवाणी अनिल जैन, अनिल जैन रईस, नरेश जैन, निर्मल मोठ्या, अमित जैन बॉबी, हरीश जैन नायक, अंकेश जैन, राकेश बजाज,पवन जैन चांदीवाले, राजकुमार गुड्ड, शुभम जैन समस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट
शुभम जैन

दीक्षांत समारोह में 2166 स्टूडेंट्स को मिलेगी डिग्री

मणिपाल यूनिवर्सिटी में होगा आयोजन, राज्यपाल कलराज मिश्र प्रदान करेंगे डिग्री

जाएगा. शाबाश इंडिया। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र मुख्य अतिथि होंगे। समारोह के दौरान 2166 छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। एमयूजे के प्रेसिडेंट डॉ. जी.के प्रभु ने बताया कि प्रत्येक विभाग के एकेडमिक टॉपर्स को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। कुल मिलाकर इस वर्ष 58 गोल्ड मेडल विजेता हैं। रजिस्ट्रार डॉ. नीतू भटनागर ने बताया कि ग्रेजुएट हो रहे 2166 छात्रों में से 1770 अंडर ग्रेजुएट श्रेणी के हैं और 396 पोस्ट ग्रेजुएट व पीएचडी श्रेणी के हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 10 छात्र जिन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपनी उपलब्धियों से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम रोशन किया है, उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान विश्वविद्यालय की नैक ए प्लस मान्यता, टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग 2023 (वर्ल्ड) जैसी अन्य उपलब्धियों के बारे में डाला गया।

लायनेस क्लब जयपुर की नई टीम हुई निर्वाचित

अध्यक्ष आशा खोखलियां, सचिव रतन सोगानी मनोनित

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायनेस वजिया कोठारी ने वर्ष 2024 हेतु नई टीम जिसमें अध्यक्ष आशा खोखलियां, सचिव रतन सोगानी, कोषाध्यक्ष उषा साबू के नाम की घोषणा की। नई टीम का सभी मैंबर्स ने सर्व सहमति से निर्वाचन किया।

एस.जे. पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ 38वां एनुअल स्पोर्ट्स डे

एशियन खेलों के कांस्य पदक विजेता राजू लाल चौधरी ने कहा- जीत-हार की भावना से ऊपर उठकर खेल भावना से खेले

जयपुर

जयपुर के जनता कॉलोनी स्थित एस.जे. पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को 38वें वार्षिक खेलकूद समारोह **Aspiration, Dare To Win** का भव्य आगाज हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्ष 2018 में जकार्ता में आयोजित एशियन खेलों के कांस्य पदक विजेता, कबड्डी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में 'डेप्युटी सुपरीटेंडेंट' राजस्थान पुलिस पद पर सुशोभित, खेल जगत की महान शख्सियत राजू लाल चौधरी रहे। मुख्य अतिथि राजू लाल चौधरी ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया। विद्यालय प्रधानाचार्या नीरज बेनीवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष सुभाष गोलेछा, सचिव शरद कांकरिया, कोषाध्यक्ष नरेंद्र श्रीमाल ,स्पोर्ट्स कन्वीनर महावीर कांकरिया का स्वागत किया 1 इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय के स्पोर्टस कैप्टन शिवराज सिंह ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने लेजियम के साथ डांस ड्रिल की उत्कृष्ट प्रस्तुति की सभी ने सराहना की 1 विद्यालय प्रधानाचार्या नीरज बेनीवाल ने विद्यालय की वार्षिक खेल रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए बताया कि एस. जे. पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में पदक जीतकर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने अपने प्रेरक भाषण में सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए समस्त विद्यार्थियों को खेलों में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर राजू लाल चौधरी ने खेल की मशाल को प्रज्वलित कर एथलीट मीट को शुरू किया और अपने वक्तव्य को खेलेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया से प्रारंभ कर खिलाड़ियों को जीत-हार की भावना से ऊपर उठकर पवित्र खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। स्पोर्ट्स कन्वीनर महावीर कांकरिया ने सभी खिलाड़ियों को ईमानदारी व निष्ठा से खेलों को खेलने की प्रतिज्ञा ग्रहण करवाते हुए अपने वक्तव्य में धैर्य के साथ अनवरत प्रयास करते रहने के लिए विद्यार्थियों का आह्वान किया।